



प्रेस विज्ञप्ति

कोलकाता हवाई अड्डे के 100 वर्ष पूर्ति पर 'लोगो' का प्रमोचन

नई दिल्ली, 13 दिसंबर, 2024: आज माननीय केंद्रीय नागर विमानन मंत्री, श्री किंजरापु राममोहन नायडू द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बसु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, कोलकाता की उत्कृष्ट सेवा के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आधिकारिक लोगो का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में श्री वी. वुअलनाम, सचिव, नागर विमानन मंत्रालय; श्री विपिन कुमार, अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और नागर विमानन मंत्रालय तथा भाविप्रा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। कोलकाता हवाई अड्डे के 100 वर्ष पूर्ण होने के समारोह हेतु निर्मित यह विशिष्ट लोगो शहर की प्रगतिशील भावना व एक लोकप्रिय विमानन केंद्र के रूप में हवाई अड्डे के विकास का प्रतीक है।

लोगो अनावरण समारोह में माननीय नागर विमानन मंत्री ने कहा, "यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है, जहाँ हम अपने राष्ट्र द्वारा निर्मित विरासत को निरंतर आगे बढ़ाते हुए भविष्य की उपलब्धियों के लिए उससे प्रेरणा ले रहे हैं। इस हवाई अड्डे ने करोड़ों यात्रियों की सेवा की है और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धियों के माध्यम से बंगाल और देश के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में खड़ा रहा है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री हमेशा बहुत प्यार से कहते हैं, 'विकास भी , विरासत भी', इसलिए यह हमारे लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने यह भी कहा कि "पिछले दस वर्षों में, विशेष रूप से नागर विमानन के लिए हवाई अड्डों का विस्तार, यात्री क्षमता में वृद्धि, एयरलाइन बेड़ा में वृद्धि तथा कार्गो प्रचालन में बढ़ोतरी हुई है। हमारे प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नागर विमानन से संबंधित सभी कार्यक्षेत्र की सीमाएं विकसित हुई हैं। अभी हम विश्व के सबसे बड़े घरेलू विमानन केन्द्रों में तीसरे नंबर पर हैं एवं हमें इसे और आगे बढ़ाना है, एक बार फिर बाधाओं को तोड़ नागर विमानन क्षेत्र को और बेहतर बनाते हुए इसे विश्व का नंबर एक घरेलू केंद्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करना है।"

नागर विमानन मंत्रालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की परिवर्तनकारी पहलों के अंतर्गत, पायलट परियोजना के रूप में जल्द ही ने.सु.च.अं. हवाईअड्डे, कोलकाता पर "उड़ान यात्री कैफ़े" नामक एक किफायती कैफ़े शुरू किया जाएगा। यह कैफ़े सस्ती दरों पर एक क्यूरेटेड मेनू प्रस्तुत करेगा, जिससे यात्रियों को लागत-प्रभावी दरों पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध होगा और उनके यात्रा अनुभव को बेहतर बनाया जा सकेगा। कोलकाता हवाई अड्डे के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर स्मारक

डाक टिकट और सिक्का जारी करने; आधुनिक हवाई अड्डे की वास्तुकला में परिलक्षित भारत की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाली कॉफी टेबल बुक के विमोचन जैसी कई पहलों की योजना भी बनाई जा रही है।

वर्ष 1924 में दमदम हवाई अड्डे के नाम से स्थापित, कोलकाता हवाई अड्डे ने बंगाल फ्लाइंग क्लब (1929), भारत के पहले जेट सेवा केंद्र (1964) की मेजबानी करके और 1975 में अपना पहला समर्पित एयरलाइन कार्गो टर्मिनल खोलकर भारतीय विमानन में अग्रणी भूमिका निभाई है। क्रांतिकारी नेता के सम्मान में 1995 में हवाई अड्डे का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बसु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कर दिया गया। वर्ष 2013 में एक नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया गया, जिसकी स्थापत्य शैली इस क्षेत्र की विरासत को आधुनिक सुविधाओं के साथ जोड़ती है, जिससे यह हवाईअड्डा पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध हुआ। ने.सु.चं.ब.अं. हवाई अड्डा प्रतिवर्ष 2.6 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने में सक्षम है तथा लगभग 49 घरेलू और 15 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को सेवा प्रदान करता है।

कोलकाता हवाई अड्डा दिनांक: 21 दिसंबर, 2024 को अपना शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है, यह शहर के विकास और परिवर्तन की एक शताब्दी की यात्रा का प्रतीक है। अपनी साधारण उद्गम से लेकर दुनिया के सबसे बड़े विमानन केंद्रों में से एक बनने तक कोलकाता हवाई अड्डा लोगों, संस्कृतियों और राष्ट्रों के बीच एक सेतु रहा है।

निगमित संचार निदेशालय द्वारा जारी

विवरण हेतु महाप्रबंधक (नि.सं.) से कृपया संपर्क करें: 011-20818228

प्रेस विज्ञप्ति संख्या 24/2024-2025



